

---

# Advaita Pancharatnam or Atma Panchakam

---

## अद्वैत पञ्चरत्नं अथवा आत्मपञ्चकम्

---

### Document Information

---

Text title : Advaita Pancharatnam or Atma Panchakam

File name : advaita5.itx

Category : pancharatna, shankarAchArya, vedanta

Location : doc\_z\_misc\_shankara

Author : Adi Shankaracharya

Transliterated by : Lakshmi Muthuswamy

Proofread by : Lakshmi Muthuswamy and S. Hattangadi

Translated by : -

Description-comments : A hymn on Advaita Vedanta

Latest update : November 7, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 7, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

अद्वैत पञ्चरत्नं अथवा आत्मपङ्ककम्



॥ श्रीः ॥

नाहं देहो नेन्द्रियाण्यन्तरङ्गो  
नाहङ्कारः प्राणवर्गो न बुद्धिः ।  
दारापत्यक्षेत्रवित्तादिदूरः  
साक्षी नित्यः प्रत्यगात्मा शिवोऽहम् ॥ १ ॥

रज्ज्वज्ञानाद्भाति रज्जौ यथाहिः  
स्वात्माज्ञानादात्मनो जीवभावः ।  
आप्तोक्त्याऽहिभ्रान्तिनाशे स रज्जु-  
र्जीवो नाहं देशिकोक्त्या शिवोऽहम् ॥ २ ॥

आभातीदं विश्वमात्मन्यसत्यम्  
सत्यज्ञानानन्दरूपे विमोहात् ।  
निद्रामोहात्स्वप्नवत्तन्न सत्यम्  
शुद्धः पूर्णो नित्य एकः शिवोऽहम् ॥ ३ ॥

नाहं जातो न प्रवृद्धो न नष्टो  
देहस्योक्ताः प्राकृताः सर्वधर्माः ।  
कर्तृत्वादिश्चिन्मयस्यास्ति नाहं-  
कारस्यैव ह्यात्मनो मे शिवोऽहम् ॥ ४ ॥

मत्तो नान्यत्किञ्चिदत्रास्ति विश्वं  
सत्यं बाह्यं वस्तु मायोपकृतम् ।  
आदर्शान्तर्भासमानस्य तुल्यं  
मय्यद्वैते भाति तस्माच्छिवोऽहम् ॥ ५ ॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य  
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य

श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ

अद्वैत पञ्चरत्नं अथवा आत्मपङ्ककं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by LakShmi Muthuswamy

Proofread by LakShmi Muthuswamy and S. Hattangadi

---



*Advaita Pancharatnam or Atma Panchakam*

pdf was typeset on November 7, 2020



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

